है । जिसमें प्रति व्यक्ति रोजगार का पूंजीगत निवेश 15,000 रु. है तथा जो ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है ।

ग्रामीण कारीगरों को उनके उत्पादों की बिक्री करने में तथा कच्चे माल की आपूर्ति करने में मदद करने के लिये केन्द्र तथा राज्यस्तरों पर विशेष विपणन संगठन बनाये जायेंगे । रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराने के अलावा, कारीगरों के समूहों को प्रशिक्षण सुविधायें तथा परामर्शीय सेवायें भी उपलब्ध करायी जायेंगी । लघु एवं कृषि उद्योगों के विकास के लिये अपेक्षित सहायता उपलब्ध कराने हेतु केन्द्र, राज्य तथा जिलास्तर पर मौजूदा आधारभूत सुविधाओं को पूर्णतया ठीक किया जायेगा ।

Publicity to tourist-cum-pilgrim centres

577. SHRI AJIT P.K. JOGI:
KUMARI ALIA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Gove-nment give publicity to our touri-it-eum-pilgrim centres;

(b) if so, whether Doordarshan propose to telecast any programme on various pilgrim centres in Madhya Pradesh which are being visited by a large number o£ pilgrims every year; and

(c) if sor the deails thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE (MINTSTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SUBODH KANT SAHAY) (a) Yes, Sir. (b) and (c) Doordarshan has been regularly mounting programmes on places of tourist interest and pilgrimages in Madhya Pradesh, Programmes covering Ujjain, Ratnapur Bho-ramaeo and Unkarawastrwer in connection Kalidas Samorofa, Tansen Samoroh and Khajuraho dance festivals etc. have beep telecast by Doordarshan.

मध्य प्रदेश में इलैक्ट्रोनिक उद्योग

578. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय मध्य प्रदेश में कुल कितने इलैक्ट्रानिक उद्योग स्थापित हैं और उन इलैक्ट्रोनिक उद्योगों में निर्मित की जा रही वस्तुओं का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या सरकार वर्ष 1990-91 के दौरान मध्य प्रदेश में कुछ और इलैक्ट्रानिक उद्योगों की स्थापना करने पर विचार रखती है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

प्रधान मंत्री के कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री कमल मोरारका): (क) से (ग) मध्य प्रदेश की 41 इकाइयों ने वर्ष 1989 के दौरान विद्युत आपूर्ति, रेकिट-फायर्स, कैपेसिटरों, वीडियों कैसटों/चुम्बकीय टेपों, कम्प्यूटर साफ्टवेयर, टी.वी. रिसीवरों, स्विचों आदि के विनिर्माण के बारे में अपने इलैक्ट्रानिक उत्पादन से संबंधित आंकड़े इलेक्ट्रानिकी विभाग को प्रस्तुत किये हैं । केन्द्रीय सरकार इस क्षेत्र के सभी अनुमति प्रदान किये जाने वाले क्षेत्रों में पूरे देश में इलैक्ट्रानिकी उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करती है । संबंधित राज्य सरकार राज्य में सुविधायें उपलब्ध कराती हैं तथा ऐसे उद्योगों को स्थापना के लिये अनुकूल परिस्थितियां पैदा करती हैं । इलेक्ट्रानिकी विभाग आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है तथा अनुमोदन जारी करने की कार्रवाई करता है । मध्य प्रदेश राज्य में इलेक्ट्रानिक वस्तुओं का विनिर्माण करने वाली इकाइयों की स्थापना के लिये अब तक 16 औद्योगिक लाइसेंस तथा 108 आशय पत्र/पंजीकरण जारी किये गये हैं ।